

**मोहेला** पुं. (देश.) एक प्रकार का चलता गाना।

**मोहेली** स्त्री. (देश.) एक प्रकार की मछली।

**मोहोपमा** स्त्री. (तत्.) अलंकार साहित्य में उपमा अलंकार का एक भेद जिसे कुछ लोग भ्रांति अलंकार कहते हैं।

**मौंगा** वि. (देश.) मूर्ख, दे. मौगा।

**मौंगी** वि. (देश.) मौन, चुप।

**मौंज** वि. (तत्.) 1. मौँज संबंधी 2. मौँज का बना हुआ।

**मौंजकायन** पुं. (तत्.) मंजुक ऋषि का वंशज।

**मौंजिबंधन** पुं. (तत्.) यज्ञोपवीत संस्कार, जनेऊ

**मौंजी** स्त्री. (तत्.) मौँज की बनी हुई मेखला।

**मौंड़ा** पुं. (देश.) मुंडा, बालक।

**मौ** स्त्री. (देश.) 1. मन की मौज, तरंग 2. युवावस्था 3. पूर्णता 4. परिपक्वता।

**मौअत** स्त्री. (देश.) मौत, मृत्यु।

**मौका** पुं. (अर.) 1. अवसर, सुयोग मुहा. मौका देखना- उपयुक्त अवसर की ताक में रहना 2. अवधि, मोहलत 3. अवकाश, फुरसत 4. वह स्थान जहाँ कोई घटना हुई हो अथवा जिसके संबंध में कोई विचार या विवाद उपस्थित हो। जैसे-आज अधिकारी लोग मौका देखने गए।

**मौकुल** पुं. (तत्.) कौआ।

**मौकूफ** वि. (अर.) 1. मुलतवी, स्थगित 2. बरखास्त, पदच्युत 3. रद्द 4. आश्रित, अवलंबित।

**मौकूफी** स्त्री. (अर.) 1. प्रतिबंध, रुकावट 2. मौकूफ, किए जाने अथवा होने की अवस्था, क्रिया या भाव।

**मौके-बे-मौके** अव्य. (फा.) समय-कुसमय।

**मौकितक** पुं. (तत्.) मोती वि. मुक्ता संबंधी, मुक्ता का।

**मौकितक-तंडुल** पुं. (तत्.) बारह अक्षरों का एक वर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में दूसरा, पाँचवाँ, आठवाँ और ग्यारहवाँ वर्ण गुरु और शेष लघु होते हैं।

**मौकितक-माला** स्त्री. (तत्.) 1. मोतियों की माला 2. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः भगण, तगण, नगण और 2. गुरु के योग से 11 वर्ण होते हैं तथा 5-6 पर यति होती है, अनुकूला छंद।

**मौकितकावलि** स्त्री. (तत्.) मोतियों की माला।

**मौक्य** पुं. (तत्.) मूक होने की अवस्था या भाव, मूकता।

**मौक्ष** पुं. (तत्.) एक प्रकार का साम गान।

**मौख** वि. (तत्.) 1. मुख-संबंधी, मुख का 2. मुख से निकलने या होने वाला।

**मौखर** पुं. (तत्.) मुखर होने की अवस्था या भाव, मुखरता।

**मौखरी** पुं. (देश.) एक प्राचीन भारतीय राजवंश।

**मौखर्य** पुं. (तत्.) मुखरता, वाचालता।

**मौखिक** वि. (तत्.) 1. मुख-संबंधी, मुख का 2. मुँह से कहा या बोला जाने वाला, जबानी 3. संगीत में वाद्य से भिन्न कंठ से निकलने वाला स्वर आदि जैसे- मौखिक संगीत।

**मौखिक-परीक्षा** स्त्री. (तत्.) विद्यार्थियों या शिक्षार्थियों के ज्ञान और योग्यता की वह परीक्षा जो उनसे मौखिक प्रश्न करके ली जाती है।

**मौगा** वि. (देश.) 1. मूर्ख, निर्बुद्धि 2. नपुंसक, हिजड़ा।

**मौग्ध्य** पुं. (तत्.) मुग्ध होने की अवस्था या भाव, मुग्धता।

**मौघ्य** पुं. (तत्.) मोघ अर्थात् निरर्थक होने की अवस्था या भाव।

**मौज** स्त्री. (अर.) 1. पानी की लहर, तरंग, हिलोर मुहा. मौज खाना-लहर मारना, हिलोरा लेना 2. मन में उठने वाली कोई उमंग, लहर 3. कृपा 4. मन का आनंद, मजा, सुख।

**मौज-पानी** पुं. (देश.) 1. बहुत सुखपूर्वक और निश्चित होकर किया जाने वाला खान-पान 2. मजा।

**मौजा** पुं. (अर.) 1. ग्राम, गाँव 2. स्थान।